



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

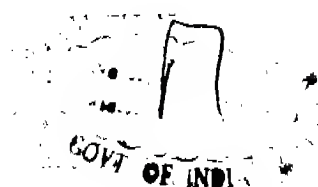
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 100]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 28, 1976/ज्यैष्ठ 7, 1898

No. 100]

[NEW DELHI, FRIDAY, MAY 28, 1976/JYAISTHA 7, 1898

इस भाग में बिना पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग से छपाने के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 28th May 1976

SUBJECT.—Information/Procedure regarding Exports to Yugoslavia under Limited Rupee Payment Arrangement.

No. 16-ETC(PN)/76.—Further to Public Notices No. 44-ETC(PN)/75, dated the 15th October 1975 and No. 6-ETC(PN)/76, dated 27th February, 1976 it has been decided in consultation with the Government of Yugoslavia that further exports of selected products be allowed under Limited Rupee Payment Arrangement. An approximate indication of the products and the ceilings for such rupee exports to Yugoslavia are given below:—

	Ra. in lakhs
1. Bead wire	22
2. Auto Parts	5
3. Instant coffee	2
Total	29

In regard to the export of bead wire it is clarified that Import Replenishment content will not exceed 30 per cent for exports made under the Limited Rupee Payment Arrangement with Yugoslavia.

2. In order to regulate such exports to Yugoslavia under the Limited Rupee Payment Arrangement, the following procedure has been prescribed:—

(i) Such exporters who wish to export the goods mentioned in para 1 above under the Rupee Payment Arrangement are required to have their contracts registered with immediate effect with the concerned Agencies indicated below:—

(a) Engineering Export Promotion Council, Bombay and Calcutta for item Nos. 1 and 2.

(b) Coffee Board, Bangalore.

Only such exporters need apply who have a contract with an importer in Yugoslavia possessing a valid letter of authorisation issued by the Yugoslav Authority. While doing so, the exporters are required to furnish to the agency concerned, in duplicate, the following information in addition to the copy of the contract(s):—

(a) Name and address of the Yugoslav importer having valid letter of authorisation issued by the Yugoslav authorities;

(b) Contract number and date;

(c) Delivery schedule;

(d) Indian port from which the shipment is to be effected for export;

(e) Commodity and value thereof involved;

(f) Name of the Yugoslav Port to which the shipment is to be booked for exports.

(ii) The Agency concerned will register the contracts on first-come, first-served basis and issue necessary advice to the exporters and the Port Licensing Authority (in case of items which are under Export Control) and to the Customs Authorities (in respect of items which are not under Export Control and also those which are included under OGL 3).

(iii) The exporter will submit the shipping bill in respect of controlled items (except those under OGL 3) for export to Yugoslavia in Rupees to the Export Control Authorities and the ETC authorities shall allow export of only controlled items by endorsement on shipping bills in accordance with Export Policy for that item in force on the date of passing of the shipping bill(s). Shipment in respect of items which are not under Export Control and those which are under OGL 3 shall be allowed direct by the Customs Authorities in the normal manner.

(iv) The particulars of shipment, value, contract number, name of exporter will be transmitted by the Agency concerned once a fortnight, i.e., by the 15th and the 30th of each month to the Ministry of Commerce (Shri R. M. Abhyankar, U.S.), New Delhi by name.

3. Exporters are advised to note that all contracts for export in Rupees to Yugoslavia under this arrangement must have the prior approval of the concerned Agency by way of registration of their contracts.

4. Exporters are further advised to inform the concerned agency as soon as the shipment from India takes place.

5. Ceilings for the different items will be watched by the concerned agencies, indicated above and they will stop registering the contracts as soon as ceilings are reached.

P. K. KAUL,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

नियमित व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 28 मई, 1976

विषय.—सीमित रुपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए निर्यातों के सम्बन्ध में जानकारी/क्रियाविधि ।

सं० 16—ई टी सी (पी एन)/76.—सार्वजनिक सूचना सं० 44—ई टी सी (पी एन)/75, दिनांक 15 अक्टूबर 1975 और सं० 6—ई टी सी (पी एन)/76, दिनांक

27 फरवरी, 1976 से आगे यूगोस्लाविया की सरकार के साथ परामर्श करने पर यह निश्चय किया गया है कि चुने हुए उत्पादों के निर्यातों को सीमित राया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत स्वीकृति दे दी जाए। उत्पादों का लगभग पंकैत एवं यूगोस्लाविया को इस प्रकार के राया निर्यात की उच्चतम सीमा नीचे दी गई है :—

	रुपये लाख में
1. गोल तार (बीड बायर)	22
2. आटो पुर्जे	5
3. इन्स्टेन्ट काफी	2
कुल :	29

गोल तार (बीड बायर) के निर्यात के सम्बन्ध में यह स्पष्ट किया जाता है कि आयात प्रतिपूर्ति की वस्तु यूगोस्लाविया के साथ सीमित राया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत किए गए निर्यातों से 30 प्रतिशत से अधिक की नहीं होगी।

2. सीमित राया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए ऐसे निर्यातों का नियमन करने हेतु निम्नलिखित क्रियाविधि निर्धारित की गई है :—

(1) ऐसे निर्यातक जो रुपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत उपर्युक्त कंडिशन 1 में उल्लिखित माल का निर्यात करना चाहते हैं उन्हें चाहिए कि वे तत्काल ही अपनी संविदाएँ नीचे संकेतित सम्बद्ध अभिकरणों के पास पंजीकृत करा दें :—

(क) मद सं० 1 एवं 2 के लिए अभियांत्रिक निर्यात संवर्धन परिषद् बम्बई तथा कलकत्ता।

(ख) काफी बोर्ड, बंगलौर।

केवल उन निर्यातकों को आवेदन करना चाहिए जिनके पास यूगोस्लाविया के उस आयातक के साथ की गई संविदा है जिनके पास जारी किया गया वीध लाइसेंस है। ऐसा करते समय निर्यातकों को चाहिए कि वे सम्बद्ध अभिकरण को संविदा(ओं) की प्रति के अतिरिक्त निम्नलिखित जानकारी की दो प्रतियाँ भेजें :—

(क) उस यूगोस्लाव आयातक का नाम और पता जिसके पास यूगोस्लाव प्राधिकारियों द्वारा जारी किया हुआ वीध प्राधिकार पत्र है।

(ख) संविदा की सख्या और दिनांक।

(ग) सुपुर्बगी सारणी।

(घ) उस भारतीय पत्तन का नाम जहाँ से निर्यात के लिए लदान प्रभावी किया जाना है।

(ङ) उस में शामिल वस्तु एवं उस का मूल्य।

(च) उस यूगोस्लाव पत्तन का नाम जिसके लिए निर्यात के लिए लदान बुक किया जाता है।

- (2) सम्बद्ध अभिकरण पहले आए सो पहले जाए के आधार पर संविदाएँ वंजीकृत करेगी और निर्यातकों एवं पत्रन लाइसेंस प्राधिकारी को (उन मदों के मामले में जो निर्यात नियंत्रण के अधीन हैं) और सीमा शुल्क प्राधिकारियों को उन मदों के मामले में जो कि निर्यात नियंत्रण के अधीन नहीं हैं और वे भी जो खुला सामान्य लाइसेंस सं० 3 के अन्तर्गत शामिल की गई हैं) आवश्यक परामर्श जारी करेगी।
- (3) निर्यातक निर्यात नियंत्रण प्राधिकारियों को यूगोस्लाविया के लिए निर्यात के लिए नियंत्रित मदों के मामले में (खुला सामान्य लाइसेंस 3 के अन्तर्गत आने वाली को छोड़ कर) रूप में लदान बिलों को भेजेगा और निर्यात नियंत्रण प्राधिकारी केवल नियंत्रित मदों के निर्यात के लिए ही स्वीकृति देंगे और यह स्वीकृति लदान बिल (बिलों) को पास करने की तारीख से इन मदों के लिए लागू निर्यात नीति के अनुसार लदान बिलों पर पुष्ठांकन करके दी जाएगी। उन मदों के सम्बन्ध में लदान की स्वीकृति सीधे ही सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा सामान्य विधि से दे दी जाएगी जो निर्यात नियंत्रण के अधीन नहीं है और जो खुला सामान्य लाइसेंस सं० 3 के अन्तर्गत आती है।
- (4) लदान, मूल्य, संविदा सं० एवं निर्यातक के नाम के द्वापरे सम्बद्ध अभिकरण द्वारा वाणिज्य मंत्रालय (श्री आर० एम० अभयंकर, अव्वर सचिव) नई दिल्ली के नाम में एक पखवारे में एक बार अर्थात् प्रत्येक मास की 15 तारीख को एवं 30 तारीख को भेजे जायेंगे।
3. निर्यातकों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे इसे नोट करें कि इस व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए रूप में निर्यात के लिए सभी संविदाओं के लिए सम्बद्ध अभिकरण का पूर्व अनुमोदन प्राप्त होना चाहिए और यह उनकी संविदाओं के वंजीकरणों द्वारा होगा।
4. निर्यातकों को और आगे सलाह दी जाती है कि भारत से जते ही लदान प्रभावी होता है वे उसके बारे में सम्बद्ध अभिकरण को सूचना दें।
5. विभिन्न मदों के लिए उच्चतम सीमा की निगरानी उपर्युक्त संकेति सम्बद्ध अभिकरण द्वारा की जाएगी और जैसे ही उच्चतम सीमा पूरी हो जाती है वे संविदाओं का वंजीकरण बन्द कर देंगे।

पी० के० कौल,

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात।